चुने हुए संदर्भ

I. मूल विषय

बेक, टी.,ए.डेमिरगुक-कुंट तथा आर.लेविन.2001. ''दि फिनान्शियल स्ट्रक्चर डेटाबेस'', ए. डेमिरगुक-कुंट तथा आर.लेविन. संस्करण. *फिनान्शियल स्ट्रक्चर एंड इकोनॉमिक ग्रोथ : ए क्रास-कंट्री कंपेरिजन ऑफ बैंक्स, मार्केट्स, एंड डेवलपमेंट*, कैंब्रिज, एमए : एमआइटी प्रेस.

बेनसिवेंगा, वी. तथा बी. स्मिथ.1991.''फिनान्शियल इंटरमीडिएशन एंड एंडोजिनस ग्रोथ.'' *रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज*, 58(2): 195-209, अप्रैल.

बीआइएस.1995. दि सुपरविज़न ऑफ फिनान्शियल कोंग्लोमरेट्स, बैंक, प्रतिभूति तथा बीमा विनियामकों के त्रिपक्षीय समूह की एक रिपोर्ट, जुलाई; www.bis.org.

बोरियो, क्लाडिओ. 2008 ''दि फिनान्शियल टरमॉइल ऑफ 2007-?: ए प्रेलिमिनरी असेसमेंट एण्ड सम पॉलिसी कनसिडरेशन्स.'' *बीआइएस वर्किंग पेपर्स* सं.251.

बोसोन, बिआगिओ.2000 'व्हॉट मेक्स बैंक्स स्पेशल ? ए स्टडी ऑन बैंकिंग, फाइनान्स, एंड इकॉनॉमिक डेवलपमेंट' विश्व बैंक.

कार्लिन, डब्ल्यू. तथा सी. मेयर. 2003.''फाइनान्स, इन्वेस्टमेंट एंड ग्रोथ.'' *जर्नल ऑफ फिनान्शियल इकॉनॉमिक्स*, 69(1) : 199-226.

कालोमेरिस, सी.तथा सी. काहन. 1991. ''दि रोल ऑफ डिमांडेबल डेट इन स्ट्रक्चरिंग ऑप्टिमल बैंकिंग अरेंजमेंट्स.'' *अमरिकन इकॉनॉमिक रिव्यू*, 81(3):497-513.

कोरिगन, इ. गेराल्ड. 1982 'आर बैंक्स स्पेशल ?' *वार्षिक रिपोर्ट*. फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ मिन्नपोलिस.

डे ग्रेगोरियो, जे. तथा पी. गुइडोट्टी. 1995. ''फिनान्शियल डेवलपमेंट एंड इकॉनॉमिक ग्रोथ'' *वर्ल्ड डिपार्टमेंट*, 23 (3): 433-448, मार्च

डेमिरगुक-कुंट, ए. तथा वी. मकसीमोविक.2002 ''फंडिंग ग्रोथ इन बैंक-बेस्ड एंड मार्केट बेस्ड फिनान्शियल सिस्टम्स : एविडेंस फ्रॉम फर्म लेवल डेटा.'' *जर्नल ऑफ फिनान्शियल इकॉनॉमिक्स*, 65(3):337-363 सितंबर.

डेटरागियाचे, ई.तथा पी. गुप्ता. 2004.''फॉरेन बैंक्स इन इमर्जिंग मार्केट क्राइसेस : एविडेंस फ्रॉम मलेशिया.'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर.*

डायमंड, डी.डब्ल्यू. 1984. ''फिनान्शियल इंटरमीडिएशन एंड डेलिगेटेड मॉनिटरिंग.'' *रिव्यू ऑफ इकॉनॉमिक स्टडीज़*, 51: 393-414.

डायमंड, डी.डब्ल्यू. तथा पी.एच.डिबविग. 1983. ''बैंक रन्स, डिपॉज़िट इन्शूरेन्स, एंड लिक्विडिटी.'' *जर्नल ऑफ पॉलिटिकल इकॉनॉमी*, 91(3): 401-14.

डायमंड, डी. तथा आर. राजन. 2001. ''लिक्विडिटी रिस्क एंड लिक्विडिटी क्रिएशन एंड फिनान्शियल फ्रेजिलिटि : ए थिअरी ऑफ बैंकिंग.'' *जर्नल ऑफ पॉलिटिकल इकॉनॉमी*, 109 (2).

फ्लैनरी, एम.1994. ''कारपोरेट फाइनान्स, मार्केट डिसिप्लिन एंड बैंक सुपरविज़न.'' बैंक संरचना तथा प्रतिस्पर्धा पर आयोजित 1994 के सम्मेलन की कार्यवाही, फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ शिकागो 313-330.

फामा, ई. 1985.'व्हाट्ज डिफरेन्ट अबाउट बैंक्स ?' *जर्नल ऑफ मॉनिटरी इकॉनॉमिक्स*, 15:29-39.

गेल्ब, 1989.'' फिनान्शियल पॉलिसीज, ग्रोथ एंड एफिशिएंसी'' विश्व बैंक *पीपीआर वर्किंग पेपर*, 202.

गर्टलर, एम. तथा ए. रोज. 1991.''फाइनान्स, ग्रोथ एंड पब्लिक पॉलिसी'' *पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर सिरीज*, 814. दि वर्ल्ड बैंक.

गोल्डबर्ग, एल.,जी. डागेस तथा डि. किन्ने. 2000. ''फॉरिन एंड डोमेस्टिक बैंक पार्टिसिपेशन इन इमर्जिंग मार्केट्स : लेसन्स फ्रॉम मेक्सिको एंड अर्जेंटिना.'' *इकॉनॉमिक पॉलिसी रिव्यू*, 6(3). फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क.

गोपीनाथ, श्यामला 2007 ''भारतीय व्युत्पन्नी बाजार - एक विनियामक एवं प्रसंगाश्रित परिप्रेक्ष्य.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, नवंबर.

गोपीनाथ, श्यामला. 2007 ''भारत में वित्तीय क्षेत्र के सुधारों की खास विशेषताएं'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, मई.

ग्रीन, जे. तथा डी. विलानुएवा. 1991.''प्राइवेट इनवेस्टमेंट इन डेवलपिंग कंट्रीज.'' *आइएमएफ स्टाफ पेपर्स*, 38 : 33-58, मार्च.

ग्रीनवुड, जे.तथा बी. जोवानोविक. 1990.'' फिनान्शियल डेवलपमेंट, ग्रोथ एंड दि डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ इनकम.'' *दि जर्नल ऑफ पॉलिटिकल इकॉनॉमी*, 98 (5, भाग 1): 1076-1107.

आइसीआरआइईआर.2007. ''लिबरलाइज़ेशन ऑफ फिनान्शियल सर्विसेज अंडर जीएटीएस : दि इंडियन एक्स्पीरिएंस.'' *डब्ल्यूटीओ न्यूज एंड व्यूज.* अप्रैल-जून 3 (2).

काटो, टाकाटोशी. 2008 ''दि नेचर एंड मैग्निटयूड ऑफ फिनान्शियल इन्नोवेशन, की नोट एड्रेस; कॉनफरेन्स ऑन चैलेंजेज फॉर मॉनिटरी पॉलिसी, फ्रॉम फिनान्शियल इन्नोवेशन एंड ग्लोबलाइजेशन.'' पेरिस, जनवरी.

किंग, आर. तथा आर. लेविन. 1993. ''फिनान्शियल इंटरमीडिएशन एंड इकॉनॉमिक डेवलपमेंट'' *फिनान्शियल इंटरमीडिएशन इन दि कंस्ट्रक्शन ऑफ यूरोप*, संस्करण. कोलिन मेयर तथा झेवियर वाइब्ज. लंदनः सेंटर फॉर इकॉनॉमिक पॉलिसी रिसर्च, 156-89.

क्रोज़नेर, रनडाल एस. 2007. ''इन्नोवेशन, इन्फॉरमेशन, एंड रेग्युलेशन इन फिनान्शियल मार्केट्स'' पर 30 नवंबर को फिलाडेल्फिया फेड पॉलिसी फोरम, फिलाडेल्फिया, पेनसिल्वानिया में दिया गया भाषण, फेड़ रिज़र्व.

लेवाइन, आर. तथा एस. जेरवोस. 1998. ''स्टॉक मार्केट्स, बैंक्स, एंड इकॉनॉमिक ग्रोथ'' *अमरिकन इकॉनॉमिक रिव्यू*, 88 (3): 537-58.

लेवाइन, आर.1996.''फॉरेन बैंक्स, फिनान्शियल डेवलपमेंट्स, एंड इकॉनॉमिक ग्रोथ'' क्ल्याड ई. वारफिल्ड (सं.), *इंटरनेशनल फिनान्शियल मार्केट्स : हारमोनाइज़ेशन वर्सस कॉम्पिटिशन*, वॉशिंगटन डीसी : एईआइ प्रेस.

लेवाइन, आर. 1997.'' फिनान्शियल डेवलपमेंट एंड इकॉनॉमिक ग्रोथ : व्यूज़ एंड अजेंडा'' *जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक लिटरेचर*, 35.

लेवाइन. आर,एन. लोयज़ा, तथा टी.बेक. 2000 '' फिनान्शियल इंटरमीडिएशन एंड ग्रोथ : काजलिटी एंड कॉज़ेज'' *जर्नल ऑफ मॉनिटरी इकॉनॉमिक्स*, 46 : 31-77.

लुकास, आर. 1988. ''ऑन दि मेकनिक्स ऑफ इकॉनॉमिक डेवलपमेंट.'' *जर्नल ऑफ मॉनिटरी इकॉनॉमिक्स*, 22 : 3-42.

मार्टिनेज, पेरिया, एम.एस.ए. पॉवेल, तथा आइ.वी.होल्लर. 2002. ''बैंकिंग ऑन फॉरेनर्स : दि बिहेवियर ऑफ इंटरनेशनल बैंक लेंडिंग टू लेटिन अमरीका, 1985-2000.''

मैक्किन्नन, आर., 1973. *मनी एंड कैपिटल इन इकॉनॉमिक डेवलपमेंट*, वॉशिंगटन : दि ब्रूकिंग्ज इन्स्टिटयूशन.

मोहन, राकेश. 2004ए ''औद्योगिक वृद्धि के लिए वित्त'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, मार्च.

——. 2004 बी. ''भारत के निजी क्षेत्र के बैंकों का स्वामित्व और शासन'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, अक्तूबर.

——. 2006. '' वित्तीय क्षेत्र सुधार और मौद्रिक नीति : एक भारतीय अनुभव'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, जुलाई.

——. 2007. '' भारत के वित्तीय क्षेत्र सुधार : जोखिम नियंत्रण के साथ वृद्धि को बढ़ावा देना'' येल यूनिवर्सिटी. www.rbi.org.in

——. 2008. ''नवोन्मेष और वृद्धि : वित्तीय क्षेत्र की भूमिका.'' *भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन*, अप्रैल.

मोर्क, आर., डेविड, ए., वाइ. बेर्नार्ड. 2000. ''इनहेरिटेड वेल्थ, कारपोरेट कंट्रोल, एंड इकॉनॉमिक ग्रोथ : दि कनाडियन डिजीज़'' *कंसेंट्रेटेड कारपोरेट ओनरशिप* मॉर्क, आर. (सं.) शिकागो : यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रेस, 319-372.

नरसिंहम, एम. 1991. *वित्तीय प्रणाली पर समिति की रिपोर्ट.* भारतीय रिज़र्व बैंक, नवंबर.

राज, जनक. 2005. ''इज देअर ए केस फॉर ए सुपर रेग्युलेटर इन इंडिया? इश्यूज एंड ऑप्शंस.'' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, अगस्त 27.

राजन, आर. तथा एल. जिंगेल्स. 1998. ''फिनान्शियल डिपेंडेंस एंड ग्रोथ'' *अमेरिकन इकॉनॉमिक रिव्यू*, 88(3): 559-86.

भारतीय रिज़र्व बैंक. 2007. *बैंकिंग समूहों में धारक कंपनियों पर चर्चा पत्र ;* www.rbi.org.in पर उपलब्ध.

रेड्डी, वाइ.वी. 2005. ''भारत में बैंकिंग क्षेत्र सुधार : एक विहगावलोकन.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, जून.

——. 2008. ''फिनान्शियल ग्लोबलाइजेशन, ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी: एन इंडियन परस्पेक्टिव; ऐट दि इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑफ दि बैंक डे फ्रान्स ऑन ग्लोबलाइजेशन, इनफ्लेशन एंड मॉनिटरी पॉलिसी.'' पॅरिस. 7 मार्च.

रॉबिन्सन, जे. 1952. ''दि जनरलाइज़ेशन ऑफ दि जनरल थिअरी.'' *दि रेट ऑफ इंटरेस्ट एंड अदर एसेज़.* लंदन : मैकमिलन में.

शुंपीटर, जे., 1911. *दि थिअरी ऑफ इकॉनॉमिक डेवलपमेंट* कैंब्रिज, एम ए : हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

शा.ई. 1973. *फिनान्शियल डीपनिंग इन इकॉनॉमिक डेवलपमेंट.* न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

वार्गलर, जे. 2000. ''फिनान्शियल मार्केट्स एंड अॅलोकेशन ऑफ कैपिटल.'' *जर्नल ऑफ फिनान्शियल इकॉनॉमिक्स*, 58(1-2): 187-214.

III. भारत में बैंकिंग क्षेत्र का विकास

अहलूवालिया एम.एस., वाइ.वी.रेड्डी, एस.एस. तारापोर (सं).2002. *मैक्रोइकॉनॉमिक्स एंड मॉनीटरी पालिसी: इश्यूज फार ए रिफॉर्मिंग इकॉनॉमी.* नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

भादुरी, ए. 1977. ''ऑन दि फॉर्मेशन ऑफ यूज़ूरिअस इंटरेस्ट रेट्स इन बैकवर्ड एग्रिकल्चर.'' *कैंब्रिज जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स*, 1 : 341-352.

भिडे, एम.जी., ए. प्रसाद तथा सैबल घोष. 2001. ''भारतीय बैंकिंग में उभरती चुनौतियां.'' आर्थिक विकास पर अनुसंधान केंद्र, *वर्किंग पेपर* सं.103.

ब्रेवरमैन, ए., तथा टी.एन. श्रीनिवासन. 1981. ''क्रेडिट एंड शेयरक्रॉपिंग इन एग्रेरियन सोसाइटीज.'' *जर्नल ऑफ डेवलपमेंट इकॉनॉमिक्स*, 9: 289-312.

बागची, ए.के. 1987. *दि इवोल्यूशन ऑफ दि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया : दि रूट्स 1806-1876.* बॉम्बे : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

बसू, के. 1983. ''दि इमर्जेंस ऑफ आइसोलेशन एंड इंटरलिंकेज इन रूरल मार्केट.'' *ऑक्सफोर्ड इकॉनॉमिक पेपर्स*, 35(2) : 262-80.

चंदावरकर, ए. 2005. ''*मनी एंड क्रेडिट* - 1858-1947.'' दि कैंब्रिज इकॉनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया, खंड II 1757-2003. नई दिल्ली : ओरिएंट लांगमैन प्राइवेट लिमि.

——. 1996. *सेंट्रल बैंकिंग इन डेवलपिंग कंट्रीज.* लंदन : मैकमिलन.

डी.अजित तथा आर.डी.बांगर. 1997. ''बैंक्स इन फिनान्शियल इंटरमीडिएशन : परफार्मन्स एंड इश्यूज.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक ऑकेजनल पेपर्स, स्पेशल अंक खंड 18. जून तथा सितंबर.*

देशमुख, सी.डी. 1948 ''सेंट्रल बैंकिंग इन इंडिया: ए रेट्रोस्पेक्ट.'' गोखले इन्स्टिट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकॉनॉमिक्स. आर.आर. काले स्मारक व्याख्यान 1948, पुणे.

इनोच, सी.,जे.एच. ग्रीन (सं.). 1997. *बैंकिंग साउंडनेस एंड मॉनिटरी पॉलिसी : इश्यूज एंड एक्सपीरिएंसेज इन दि ग्लोबल इकॉनॉमी.* आइएमएफ, वॉशिंगटन.

फ्राइ, मैक्सवेल जे. 1995. *मनी, इंटरेस्ट एंड बैंकिंग इन इकॉनॉमिक डेवलपमेंट*, लंदन : दि जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी प्रेस लिमिटेड.

फ्राइ. मैक्सवेल जे., चार्ल्स, ए.ई. गुडहार्ट तथा अलमीडा अलवारो. 1996. *सेन्ट्रल बैंकिंग इन डेवलपिंग कंट्रीज : ऑब्जेक्टिव्ज, ऐक्टिविटीज एंड इंडिपेंडेन्स.* लंदन : रूटलेज.

भारत सरकार. 1926. *भारतीय मुद्रा तथा वित्त पर रॉयल कमीशन की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : मि.ई. हिल्टन यंग).

——. 1931. *भारतीय केंद्रीय बैंकिंग जांच समिति* (अध्यक्ष : सर भूपेन्द्रनाथ मित्रा, सर पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास), कलकत्ता.

——. 1969. *सामाजिक उद्देश्यों के कार्यान्वियन के लिए संगठनात्मक ढांचे पर गाडगिल अध्ययन दल* (अध्यक्ष : प्रो.डी.आर. गाडगिल).

——. 1972. *बैंकिंग आयोग की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : आर.जी. सरैय्या).

——. 1980-81. *वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट*, नई दिल्ली.

——. 1998. *बैंकिंग क्षेत्र सुधार पर गठित समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री. एम. नरसिंहम) अप्रैल.

लीलाधर, वी.2007. ''भारत में बैंकिंग विनियमन का विकास - कुछ पहलुओं का सिंहावलोकन.'' बैंकर सम्मेलन, मुंबई में 26 नवंबर को दिया गया भाषण.

माथुर, बी.एल. 1995. *भारतीय बैंकिंग के उभरते परिप्रेक्ष्य.* जयपुरः अरिहन्त

मोहन, राकेश. 2003. ''भारतीय बैंकिंग का कायापलट : बेहतर कल की तलाश में'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, जनवरी.

——. 2004ए. ''भारत में कृषि ऋण : स्थिति संबंधी मुद्दे तथा भावी कार्य-सूची.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, नवंबर.

——. 2004बी. ''भारत के निजी क्षेत्र के बैंकों में स्वामित्व एवं अभिशासन,'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, अक्तूबर.

——. 2005. ''भारत में वित्तीय क्षेत्र सुधार : नीतियां तथा कार्य-निष्पादन विश्लेषण.'' *इकॉनॉमिक तथा पॉलिटिकल वीकली*, 19 मार्च.

——. 2008. ''भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि का रिकॉर्ड़, 1950-2008. निरंतर बचत और निवेश की कहानी.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, मार्च.

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक. 2002. 31 मार्च 2000 की स्थिति के अनुसार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कार्यनिष्पादन की समीक्षा.

पटेल, आइ.जी. 2002. *भारतीय आर्थिक नीति की झलकियां : अंतरंग दृश्य,* ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.नई दिल्ली.

राउ, बी. रामा. 1960. ''वाणिज्यिक बैंकिंग पर नियंत्रण एवं बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार'' ए. किश्नास्वामी अय्यर का भाषण, अप्रैल 1960 *गवर्नर्स स्पीक* में पुनः प्रस्तुत ,भारतीय रिज़र्व बैंक 1997.

रंगराजन, सी. 1988. ''मौद्रिक प्रबंधन की समस्याएं.'' भारतीय आर्थिक सम्मेलन, कलकत्ता में दिया गया अध्यक्षीय भाषण, दिसंबर.

——. 1998. ''*दि इंडियन फिनान्शियल सिस्टम : दि इमर्जिंग हॅराइजन,* फिरोज जीजीभोय स्मारक व्याख्यान. मुंबई.

——. 2002. *भारतीय अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य.* नई दिल्ली : यूबीएस पब्लिशर्स.

रंगराजन, सी.,ए. बसू तथा नरेंद्र जाधव. 1989. ''डाइनामिक्स ऑफ इंटरैक्शन बिट्वीन गवर्नमेंट डेफिशिट एंड डोमेस्टिक डेट इन इंडिया.'' *आरबीआइ ऑकेजनल पेपर्स*, 10 (3); सितंबर.

रेड्डी, वाइ. वी. 1997 ए. ''मौद्रिक तथा ऋण नीति : मुद्दे तथा परिप्रेक्ष्य.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन.*

——. 1997 बी. ''भारतीय रिज़र्व बैंक तथा बैंकिंग क्षेत्र सुधार'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन.*

——. 1997 सी, ''एशियाई संकट : सही प्रश्न पूछना.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन.*

——. 1999 ''वित्तीय क्षेत्र सुधार : समीक्षा एवं संभावनाएं.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, जनवरी.

——. 2000. *भारत के मौद्रिक एवं वित्तीय क्षेत्र सुधार, केन्द्रीय बैंकर का परिप्रेक्ष्य.* नई दिल्ली : यूबीएस पब्लिशर्स.

भारतीय रिज़र्व बैंक, 1937. *वार्षिक रिपोर्ट*, मुंबई.

——. 1950. ग्रामीण बैंकिंग जांच समिति (अध्यक्ष : सर पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास).

——. *वार्षिक रिपोर्ट* (विभिन्न अंक), मुंबई.

——. *ऋण नीति संबंधी परिपत्र* खंड I से IV.

——. 1954. *अखिल भारतीय ऋण तथा निवेश सर्वेक्षण समिति की रिपोर्ट.*

——. 1998. ''बैंकिंग सांख्यिकी 1972-1995.'' *मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां.*

——. 1975. *बैंक ऋण पर अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए दिशानिर्देश बनाने हेतु गठित अध्ययन दल की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री. पी.टी. टंडन).

——. 1978. *क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों पर गठित समीक्षा समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री एम.एल. दांतवाला), बंबई.

——. 1979. *नकदी ऋण प्रणाली की समीक्षा पर गठित कार्यदल की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : के. बी. चोरे). बंबई.

——. 1982. *अग्रणी बैंक योजना के कार्य की समीक्षा हेतु गठित कार्यदल की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री. यू. के. शर्मा), बंबई.

——. 1984. *रुग्ण औद्योगिक उपक्रमों के पुनर्वास में बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं द्वारा सामना की जानेवाली कानूनी एवं अन्य कठिनाइयों की जांच के लिए और कानून में बदलाव सहित उपचारात्मक उपाय सुझाने के लिए गठित समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री टी. तिवारी).

——. 1985. *मौद्रिक प्रणाली के कार्य की समीक्षा हेतु गठित समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : सुखमय चक्रवर्ती).

——. 1987. *मुद्रा बाजार पर गठित कार्यदल* (अध्यक्ष : श्री एन. वागुल).

——. 1991. *वित्तीय प्रणाली पर गठित समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री एम नरसिंहम).

——. 1997. *पूंजी खाता परिवर्तनीयता पर गठित समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री एस.एस. तारापोर).

——. 1998. *बैंकिंग क्षेत्र सुधार पर गठित समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री एम. नरसिंहम).

——. 1999. *शहरी सहकारी बैंक पर गठित उच्चाधिकार समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री के. माधव राव). मुंबई.

——. 1999. *सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों की पुनर्संरचना पर गठित कार्यदल की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री एम.एस. वर्मा). मुंबई.

——. 1999. *भारत में जमा बीमा में सुधार पर रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री जे. कपूर). मुंबई.

——. 2000. *बैंकिंग पर्यवेक्षण पर परामर्शी दल की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री एम. एस. वर्मा). मुंबई.

——. 2001. *दीवालियापन संबंधी कानूनों पर गठित परामर्शी दल की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : डॉ. एन.एल. मित्रा). मुंबई.

——. 2001. *भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्य एवं कार्यपद्धति,* चौथा संस्करण, मुंबई.

——. 2001. *कारपोरेट गवर्नेन्स पर परामर्शी दल की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : श्री आर.एच. पाटील). मुंबई.

——. *मौद्रिक और ऋण नीति वक्तव्य* (विभिन्न वर्ष) मुंबई.

——. *मुद्रा और वित्त की रिपोर्ट* (विभिन्न अंक) मुंबई.

——. 1990-91. *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट.*

——. 1991-92. *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट.*

——. *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट.* विभिन्न अंक

——. 2006-07. *भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी संबंधी पुस्तिका.*

——. 2005. *भारतीय रिज़र्व बैंक, (इतिहास)* खंड I से III.

रोज, पीटर एस. 1999. ''कमर्शियल बैंक मैनेजमेंट'' टेक्सास : ए एंड एम यूनिवर्सिटी.

सेलगिन, जी. 1996 ''कमर्शियल बैंक्स ऐज प्योर इंटरमीडिअरीज.'' सेलगिन में, जी. 1996. *बैंक डिरेग्युलेशन एंड मॉनिटरी आर्डर* 119-28 लंदन : राउटलेज.

सिंह, अनूप, एस.एल. शेट्टी., तथा टी. आर. वेंकटाचलम. 1982 ''भारत में मौद्रिक नीति : मुद्दे एवं साक्ष्य.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक ऑकेजनल पेपर्स का अनुपूरक, भारतीय रिज़र्व बैंक*, मुंबई.

भारत के बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां.1935. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी विभाग, भारत.

भारत के बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां.1938. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी विभाग, भारत.

भारत एवं वर्मा के बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां. 1939. भारतीय रिज़र्व बैंक, भारत.

भारत एवं पाकिस्तान के बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां. 1947. भारतीय रिज़र्व बैंक, भारत.

भारत के बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां. 1950 से 2006-07, विभिन्न अंक, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारत.

टंडन, प्रकाश. 1988. *बैंकिंग सेंचुरी : ए शॉर्ट हिस्टरी ऑफ बैंकिंग इन इंडिया एंड दि पायोनियर - पंजाब नैशनल बैंक,* नई दिल्ली : वाइकिंग.

थोरात, उषा. 2006. ''शहरी सहकारी बैंक - बैंकों का विकास, कारपोरेट गवर्नेन्स की वर्तमान समस्याएं तथा उनके विनियमन एवं पर्यवेक्षण की चुनौतियां.'' स्व.श्री आर.एन. गोडबोले स्मारक व्याख्यान, शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापूर.

IV. संसाधन संग्रहण का प्रबंधन

अलेन, एफ. तथा ए.एम. सांतोमेरो. 2001.''व्हाट डू फिनान्शियल इंटरमीडिअरीज डू?'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस* (25).

बार्बरा, लीच लेपोर (सं.). 1987. *थाईलैंड: ए कंट्री स्टडी* वॉशिंगटन: जीपीओ फॉर दि लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस.

बर्गर, अलेन एन., टी.एच. हन्नन. 1989. ''दि प्राइस कनसेन्ट्रेशन रिलेशनशिप इन बैंकिंग'' *रिव्यू ऑफ इकॉनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स.* 71(2). 291-299.

बर्गर, ए., आर.जे. रोसेन तथा उडेल, एफ.ग्रेगोरी. 2007. ''डज मार्केट साइज स्ट्रक्चर अफेक्ट कॉम्पिटिशन? दि केस ऑफ स्मॉल बिज़नेस लेंडिंग.'' *जर्नल आफ बैंकिंग एंड फाइनेंस*, 31.

बर्लिन एम., तथा एल.जे.मेस्टेर.1999. ''डिपॉजिट्स एंड रिलेशनशिप लेंडिंग.'' *रिव्यू ऑफ फिनान्शियल स्टडीज,* 12(3).

डेविज़, जे.,बी.एस. सैंडस्टॉर्म, ए.शारॉक्स तथा ई.एन.वोल्फ. 2007. ''एस्टिमेटिंग दि लेवल एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ ग्लोबल हाउसहोल्ड वेल्थ.'' *रिसर्च पेपर नं.2007/77, यूएनयू-वाइडर*, युनाइटेड नेशन्स यूनिवर्सिटी, नवंबर.

इनारसन, टोर तथा मिल्टन एच.मार्क्विस. 2003. ''बैंक इंटरमीडिएशन एंड परसिस्टेंट लिक्विडिटी इफेक्ट्स इन दि प्रेजेन्स ऑफ ए फ्रिक्शनलेस बांड मार्केट.'' *सेन्ट्रल बैंक ऑफ आइसलैंड वर्किंग पेपर्स* सं.21, नवंबर.

फेल्डमैन, आर., तथा डी.फेट्टिग. 1998. ''डिक्लाइनिंग डिपॉजिट्स: इज इट ऑल बैड न्यूज? फेडगॅजेट, फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ मिनेपॉलिज, जुलाई.

भारत सरकार. 2008. *आर्थिक सर्वेक्षण* 2007-08.

हाल, के. तथा डी.वेरयार्ड. 2006. ''रिसेंट ट्रेंड्स इन ऑस्ट्रेलियन बैंकिंग.'' *इकॉनॉमिक पेपर्स.* इकॉनॉमिक सोसाइटी ऑफ ऑस्ट्रेलिया, दिसंबर.

लेवाइन, आर.2000. ''बैंक-बेस्ड ऑर मार्केट-बेस्ड फिनान्शियल सिस्टम्स: व्हिच इज बेटर?'' फाइनेंस डिपार्टमेंट, कार्लसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट. यूनिवर्सिटी ऑफ मिन्नेसोटा, फरवरी.

लिपिंग, ही.2005. ''इवोल्यूशन ऑफ फिनान्शियल इन्स्टिट्यूशन्स इन पोस्ट-1978 चाइनाः इंटरएक्शन बिट्विन दि स्टेट एंड मार्केट.'' *चीन तथा विश्व अर्थव्यवस्था.* 13(6)ः 10-26.

मेस्टेर, एल.जे. 2007. ''सम थॉट्स ऑन दि इवोल्यूशन ऑफ दि बैंकिंग सिस्टम एंड दि प्रोसेस ऑफ फिनान्शियल इंटरमीडिएशन'' *इकॉनॉमिक रिव्यू,* पहली तथा दूसरी तिमाही.

मोहन, राकेश. 2008. ''दि ग्रोथ रिकार्ड ऑफ दि इंडियन इकॉनॉमी, 1950-2008ः ए स्टोरी ऑफ सस्टेन्ड सेविंग्ज एंड इनवेस्टमेंट.'' इन्स्टिट्यूट ऑफ इकॉनॉमिक ग्रोथ के 'ग्रोथ एंड मैक्रोइकॉनॉमिक इश्यूज एंड चैलेंजेज इन इंडिया' नामक सम्मेलन में मुख्य भाषण. नई दिल्ली. फरवरी.

पूट्रकूल, के.,टी. सोडस्रीचइ तथा के. अरियाप्रुचैया. 2005. ''लांग टर्म सेविंग इन थाईलैण्डः आर वी सेविंग एनफ एंड व्हाट आर दि रिस्क्स?'' *बैंक ऑफ थाईलैण्ड डिस्कशन पेपर,* 12. नवंबर.

राज, जनक. 1999. ''ए स्टडी ऑफ ऑपरेशन्स ऑफ नॉन बैंकिंग फिनान्शियल इंटरमीडिअरीज इन इंडिया विथ स्पेशल रेफरेन्स टू देयर इम्प्लीकेशन्स फॉर मॉनीटरी पॉलिसी.'' अप्रकाशित पीएचडी शोध-प्रबंध, इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, मुंबई.

भारतीय रिज़र्व बैंक, *मुद्रा और वित्त की रिपोर्ट,* 2001-02, 2002-03 तथा 2005-06.

——. 1985. *मौद्रिक प्रणाली के कार्य की समीक्षा के लिए गठित समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष : सुखमय चक्रवर्ती).

रोजेन, जे. रिचर्ड. 2007 ''बैंकिंग मार्केट कंडीशन्स एंड डिपोजिट इन्टरेस्ट रेट्स.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनेंस,* 31.

रीबकजबस्की, टी.एम. 1985. ''दि इंटरनेशनलनाइजेशन ऑफ दि फिनान्शियल सिस्टम एंड दि डेवलपिंग कंट्रीज - दि इवॉल्विंग रिलेशनशिप.'' रिपोर्ट के लिए पृष्ठभूमि पत्र.

श्मिड्ट, आर.एच., ए.हैकथाल तथा एम. टाइरेल. 1998. ''डिसइंटरमीडिएशन एंड दि रोल ऑफ बैंक्स इन यूरोपः एन इंटरनेशनल कंपेरिजन.'' *जर्नल ऑफ फिनान्शियल इंटरमीडिएशन* नं.10, जनवरी.

स्कॉलटेन्स, बी.,वैन वेन्सवीन. डी.1999 ''ए क्रिटिक ऑन दि थिअरी ऑफ फिनान्शियल इंटरमीडिएशन.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस,* 24(8)ः1243-1251.

शियू, लियू, वूयि तथा लियू झेंगमिंग. 2006. ''दि लेसन्स लर्न्ड फ्रॉम दि डेवलपमेंट एंड रिफॉर्म ऑफ चाइनाज बैंकिंग सेक्टर.'' *बीआइएस पेपर,* 28. अगस्त.

तुलाधार, अनिता. 2007. ''*कान्फरेन्स ऑन इंटरनेशनल फोरम ऑन पेन्शन रिफॉर्मः एक्सप्लोरिंग* दि लिंक टू लेबर एंड फिनान्शियल मार्केट रिफॉर्म्स.'' अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष. जून.

यूएसएआइडी. 2005. ''इन्नोवेशन्स इन रूरल डिपॉजिट मॉबिलाइजेशन.'' आरएएफआइ नोट #9, *मिमेओ,* अगस्त.

विच्यानोंद, पाकोर्न. 1995. ''दि इवोल्यूशन ऑफ थाईलैंड्स फिनान्शियल सिस्टमः फ्यूचर ट्रेंड्स.'' *थाईलैण्ड डेवलपमेंट रिसर्च इन्स्टिट्यूट टीडीआरआइ तिमाही समीक्षा,* 10(3). सितंबर.

V. पूंजी और जोखिम प्रबंधन

अलेन, बी. 2006. ''इंटरनल अफेअर्स.'' *रिस्क.* 19ः45-49, जून.

अयुसो, जे., डी. पेरेज़ तथा जे. सौरिना. 2004. ''आर कैपिटल बफर्स प्रो- साइक्लिकल ? एविडेन्स फ्रॉम स्पैनिश पैनल डेटा.'' *जर्नल ऑफ फिनान्शियल इंटरमीडिएशन,* 13 (2) : 249-264.

बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स. 1999ए. *क्रेडिट रिस्क मॉडेलिंग : करेन्ट प्रैक्टिसेज एंड अप्लिकेशन्स,* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति. बासेल. अप्रैल.

——. 1999बी. *साउंड पॉलिसीज फॉर लोन अकाउंटिंग, क्रेडिट रिस्क डिस्क्लोजर एंड रिलेटेड मैटर्स.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति. बासेल.

——. 2001. *दि न्यू बासेल कैपिटल एकॉर्ड : सेकंड कन्सल्टेटिव डॉक्यूमेंट.* बासेल. जनवरी.

——. 2002. ''दि इंटरैक्शन बिट्विन दि फिनान्शियल सेक्टर एंड दि रियल इकॉनॉमी.'' *बीआइएस 72वीं वार्षिक रिपोर्ट* : 122 -140.

——. 2004ए. *इंटरनेशनल कन्वर्जेन्स ऑफ कैपिटल मेजरमेन्ट एंड कैपिटल स्टैंडर्ड्स : ए रिवाइज्ड फ्रेमवर्क.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति. बासेल.

——. 2004बी. ''इम्प्लीमेटेशन ऑफ दि न्यू कैपिटल अडेक्वैसी फ्रेमवर्क इन नॉन-बासेल कमिटी मेंबर कंट्रीज.'' *एफएसआइ ऑकेजनल पेपर* 04, अप्रैल.

——. 2006ए. *बासेल II : इंटरनेशनल कन्वर्जेन्स ऑफ कैपिटल मेजरमेन्ट एंड कैपिटल स्टैंडर्ड्स : ए रिवाइज्ड फ्रेमवर्क - कॉम्प्रेहेन्सिव वर्शन.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति. जून.

——. 2006बी. *एनहान्सिंग कारपोरेट गवर्नेन्स फॉर बैंकिंग ऑर्गनाइजेशन्स.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति. बासेल. फरवरी.

——. *वार्षिक रिपोर्ट, विभिन्न अंक.* बासेल.

बर्गर, ए., आर. हेरिंग तथा जी. स्जेगो. 1995. ''दि रोल ऑफ कैपिटल इन फिनान्शियल इन्स्टिट्यूशन्स.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस,* 19 : 393-430.

बर्नान्के, बी. तथा सी. लाउन. 1991.''क्रेडिट क्रंच'' *ब्रूकिंग्ज पेपर ऑन इकॉनॉमिक एक्टिविटी,* 2 : 205-47.

बोरियो, सी.,सी.फरफाइन तथा पी.लोवे. 2001.''टू प्रोविजन ऑर नॉट टू प्रोविजन.'' *बीआइएस तिमाही समीक्षा.* सितंबर.

कैरे,एम. 2001. ''डाइमेन्शन्स ऑफ क्रेडिट रिस्क एंड देअर रिलेशनशिप टू इकॉनॉमिक कैपिटल रिक्वायरमेन्ट्स.'' एफ.एस. मिश्कीन (सं.) *प्रुडेन्शियल सुपरविजन : व्हाइ इट इज इम्पॉर्टेन्ट एंड व्हॉट आर दि इश्यूज* . शिकागो : यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रेस तथा एनबीईआर.

करुआना, जे. 2005. *बासेल II : बैंक टू दि फ्यूचर.* 7वां हांग कांग मॉनिटरी ऑथोरिटी डिस्टिंग्विश्ड लेक्चर, http:www.bde.es/prensa/intervenpub/gobernador /040205e.pdf पर उपलब्ध.

चंद्रशेखर, सी. तथा जे.घोष. 2007. ''बासेल II एंड इंडियाज बैंकिंग स्ट्रक्चर.'' *दि हिंदू बिजिनेस लाइन.* फरवरी 20.

चिउरी, एम., जी. फेरी तथा जी. मजनोनी. 2001 ''दि मैक्रोइकॉनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ कैपिटल रिक्वायरमेन्ट्स इन इमर्जिंग इकॉनॉमीज : पास्ट एविडेन्स टू ऐक्सेस दि फ्यूचर.'' *वर्ल्ड बैंक पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर* सं. 2605.

कॉर्नफोर्ड, ए.2006 ''दि ग्लोबल इम्प्लीमेन्टेशन ऑफ बासेल II : प्रॉस्पेक्ट्स एंड आउटस्टैंडिंग प्रॉब्लेम्स.'' *इश्यूज इन इंटरनेशनल ट्रेड एंड कमोडिटीज स्टडी सिरीज सं.34.* व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र का सम्मेलन.

डेनिल्सन, जे.एच.शिन, तथा जे. जिग्रैंड, 2001. ''एसेट प्राइस डाइनामिक्स विथ वैल्यू-ऐट-रिस्क कन्स्ट्रेन्ड ट्रेडर्स.'' *एफएमजी वर्किंग पेपर.* डीपी.0394. लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स.

देवत्रिपोंत, एम. तथा जे. तिरोले. 1994. *दि प्रुडेन्शियल रेग्युलेशन ऑफ बैंक्स.* कैंब्रिज : एमए एमआइटी प्रेस,

एलिजाल्दे, ए. तथा आर. रेपुल्लो. 2006. ''इकॉनॉमिक एंड रेग्युलेटरी कैपिटल इन बैंकिंग : व्हॉट इज दि डिफरेन्स ?'' *सी.ई.पी.आर. डिस्कशन पेपर्स.* 4770.

फिच रेटिंग्ज. 2005. ''ग्लोबल क्रेडिट डेरिवेटिव्ज सर्वे : रिस्क डिस्पर्सन एक्सिलरेट्स.'' *फिच रेटिंग्ज स्पेशल रिपोर्ट.* नवंबर.

फ्लड, एम. 2001. *बासेल बकेट्स एंड लोन लॉसेजःऐब्सोल्यूट एंड रिलेटिव लोन अंडरपरफॉर्मेन्स ऐट बैंक्स एंड थ्रिफ्ट्स.* http:www.ots.treas.gov/docs/ 5/51001.pdf पर उपलब्ध.

गेनश्चेल, पी. तथा टी. प्लंपर. 1997. ''रेग्युलेटरी कम्पीटिशन एंड इंटरनेशनल को-आपरेशन.'' *जर्नल ऑफ यूरोपियन पब्लिक पॉलिसी,* 4 : 626-642.

घोष, एस. तथा डी. नाचणे. 2003. ''आर बासेल कैपिटल स्टैंडर्ड्स प्रो-साइक्लिकल? सम इंपीरिकल एविडेन्स फ्रॉम इंडिया.'' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* फरवरी 22.

गोपीनाथ, एस. 2006. ''एप्रोच टू बासेल II.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन*, जून.

गॉर्टन, जी.तथा ए. विंटन. 2000.''लिक्विडिटि प्रोविजन, बैंक कैपिटल एंड दि मैक्रोइकॉनॉमी.'' *यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा वर्किंग पेपर.* अक्तूबर.

ग्रीनस्पैन, ए. 2001 ''दि फिनान्शियल सेफ्टीनेट.'' बैंक पर 37वें वार्षिक सम्मेलन में की गई टिप्पणी. *स्ट्रक्चर एंड कम्पीटीशन* फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ शिकागो, शिकागो, इलिनोइस, मई.

हॉल्मस्ट्रॉम, बी.तथा जे. तिरोले, 1997. ''फिनान्शियल इंटरमीडिएशन, लोनेबल फंड्स एंड दि रियल सेक्टर.'' *क्वार्टर्ली जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स,* 112 : 655-91.

आइबीए-आइबीएस रिपोर्ट. 2006, *करेन्ट परस्पेक्टिव्ज़ ऑन रिस्क मैनेजमेंट : इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री.* अप्रैल.

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, 2006, *ग्लोबल फिनान्शियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट,* वर्ल्ड इकॉनॉमिक एंड फिनान्शियल सर्वेज. वॉशिंगटन, अप्रैल.

जागीरदार, बी.1997. *फिनान्शियल सेक्टर रिफॉर्म इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ सिलेक्टेड इश्यूज विथ स्पेशल रेफरेन्स टू पब्लिक कमर्शियल बैंकिंग,* अप्रकाशित पीच.डी.शोध-प्रबंध. मुंबई : मुंबई विश्वविद्यालय.

जोन्स, डी. तथा जे. मिंगो. 1998. ''इंडस्ट्री प्रैक्टिसेस इन क्रेडिट रिस्क मॉडेलिंग एंड इंटर्नल कैपिटल अलोकेशन्स : इम्पलीकेशन्स फॉर ए मॉडेल्स-बेस्ड रेग्युलेटरी कैपिटल स्टैंडर्ड.'' *एफआरबीएनवाइ इकॉनॉमिक पॉलिसी रिव्यू,* अक्तूबर.

कश्यप, ए., आर. राजन, तथा जे स्टेन. 1999. ''बैंक ऐज लिक्विडिटी प्रोवाइडर्सः ऐन एक्सप्लेनेशन फॉर दि को-एक्ज़िस्टेन्स ऑफ लेंडिंग एंड डिपॉजिट-टेकिंग.'' *एनबीईआर वर्किंग पेपर श्रृखंला* सं. 6962.

कश्यप, ए., तथा जे. स्टेन, 2004. ''साइक्लिकल इम्प्लीकेशन्स ऑफ बासेल II कैपिटल स्टैंडर्ड्स.'' *इकॉनॉमिक परस्पेक्टिव्ज़,* 28(1):18-31. फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ शिकागो.

कश्यप, ए.,आर. राजन तथा जे.स्टेन. 2008. ''रिथिंकिंग कैपिटल रेग्युलेशन.'' बदलती हुई वित्तीय प्रणाली में स्थिरता बनाए रखने के लिए फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ केन्सास सिटी सिम्पोजियम के लिए तैयार पेपर, जैक्सन होले, व्योमिंग, अगस्त 21-23.

कीली, एम. तथा एफ. फरलांग. 1990. ''ए रि-एक्ज़ामिनेशन ऑफ दि मीन वैरिऐन्स एनालिसिस ऑफ बैंक कैपिटल रेग्युलेशन.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 14:69-84.

किम्बाल, डी. तथा सी. जेम्स. 1983, ''रेग्युलेशन एंड दि डिटरमिनेशन ऑफ बैंक कैपिटल चेंजेज.'' *जर्नल ऑफ फाइनैंस,* 38 : 1651-58.

क्रोजनेर, आर. 2008. ''इंप्रूविंग रिस्क मैनेजमेंट इन लाइट ऑफ रिसेंट मार्केट इवेंट्स.'' ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ रिस्क मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स एन्यूअल रिस्क कन्वेन्शन में दिया गया भाषण, न्यू यॉर्क, फरवरी 25.

——. 2008 ''लिक्विडिटी - रिस्क मैनेजमेंट इन दि बिज़नेस ऑफ बैंकिंग.'' इन्स्टिटयूट ऑफ इंटरनेशलन बैंकर्स में दिया गया भाषण, वॉशिंगटन, डी.सी. मार्च.

——. 2008 ''दि इम्पॉर्टेन्स ऑफ फंडामेंटल्स इन रिस्क मैनेजमेंट'' अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन की वसंतकालीन शिखर बैठक में दिया गया भाषण. वॉशिंगटन डी.सी. मार्च 11.

कुपिएक, पी. 2001.''दि न्यू बासेल कैपिटल एकॉर्ड : दि डेविल इज इन दि (कैलिब्रेशन) डिटेल्स.'' *आइएमएफ वार्किंग पेपर* 01/113.

लीलाधर, वी. 2006.''बासेल II के रहस्य से पर्दा हटाना'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन.* अक्तूबर.

——. 2007. ''बासेल II एवं ऋण जोखिम प्रबंधन'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन.* अक्तूबर.

लांग, डी. 2004. *क्रेडिट डेरिवेटिव्ज़ : एनालाइजिंग न्यू डेवलपमेंट्स एंड रिस्क्स.* http://www.ppllc.com/OurNews/Articles/2004_07_Garp_CDS.pdf पर उपलब्ध.

लोवे, पी.2002. ''क्रेडिट रिस्क मेजरमेंट एंड प्रो-साइक्लिकलिटी.'' *बीआइएस वर्किंग पेपर्स* 116, सितंबर.

मैक्किन्से एंड कं.2007. *इंडियन बैंकिंग : टूवर्ड्स ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेज - इनसाइट्स फ्रॉम इंडस्ट्री बेंचमार्क सर्वेज.* फिनान्शियल सर्विसेज प्रैक्टिस. नवंबर.

मिंगो, जे. 1975. ''रेग्युलेटरी इनफ्लूएन्स ऑन बैंक कैपिटल इनवेस्टमेंट.'' *जर्नल ऑफ फिनान्स,* 30 :1111-1121.

मोहन, आर. 2006. ''केंद्रीय बैंक और जोखिम प्रबंधन : वित्तीय स्थिरता को आगे बढ़ाना'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन,* दिसंबर.

——. 2007. ''खुली बाजारोन्मुखी अर्थव्यवस्था में जोखिम प्रबंधन.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन,* जुलाई.

मुनिअप्पन, जी. 2002. ''भारतीय बैंकिंग : पैराडिग्म शिफ्ट - ए रेग्युलेटरी पॉइंट ऑफ व्यू'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन,* जनवरी.

नाचणे, डी.,ए. नरेन, एस. घोष तथा एस.साहू. 2000. ''कैपिटल ऐडिक्वैसी रिक्वायरमेंट्स एंड दि बिहेवियर ऑफ कमर्शियल बैंक्स इन इंडिया : ऐन ऐनलिटिकल एंड एंपीरिकल स्टडी.'' डीआरजी स्टडी नं.22. भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई.

पटनायक, आइ. तथा ए. शाह. 2004. ''इंटरेस्ट रेट वोलैटिलिटी एंड रिस्क इन इंडियन बैंकिंग.'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर* डब्ल्यूपी/04/17, जनवरी.

पीक, जे.तथा ई. रोसेनग्रेन. 1995. ''कैपिटल क्रंच : नाइदर ए बॉरोअर नॉट ए लेंडर बी.'' *जर्नल ऑफ मनी, क्रेडिट एंड बैंकिंग,* 27 : 625-38.

पेल्ट्ज़मैन, एस.1970. ''कैपिटल रेग्युलेशन इन कमर्शियल बैंकिंग एंड इट्स रिलेशन टू पोर्टफोलियो रेग्युलेशन.'' *जर्नल ऑफ पॉलिटिकल इकॉनॉमी,* 78:1-26.

पेन्नाच्ची, जी.2004. ''रिस्क-बेस्ड कैपिटल स्टैंडर्ड्स, डिपॉजिट इन्शूरेन्स, एंड प्रोसाइक्लिकलिटी.'' *एफडीआइसी सेन्टर फॉर फिनान्शियल रिसर्च वर्किंग पेपर* सं.2004-05 नवंबर के लिए.

प्रोक्टर, सी.2006. *बासेल II : क्रेडिट रिस्क मिटिगेशन.* अक्तूबर, http://www.twobirds.com/english/publications/articles/Basel-II Credit Risk Mitigation.cfm पर उपलब्ध.

रंगराजन, सी. 2007. *भारतीय बैंकिंग प्रणाली - भावी चुनौतियां.* पहला आर.के.तलवार स्मारक भाषण. इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस.

भारतीय रिज़र्व बैंक. *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति तथा प्रगति संबंधी रिपोर्ट,* विभिन्न अंक.

भारतीय रिज़र्व बैंक, 2008. *नए पूंजी पर्याप्तता ढांचे के अंतर्गत पर्यवेक्षणात्मक समीक्षा प्रक्रिया - स्तंभ 2 के लिए दिशा-निर्देश,* मार्च 26.

——. 2007. *पूंजी पर्याप्तता तथा बाजार अनुशासन पर विवेकपूर्ण दिशा-निर्देश - नए पूंजी पर्याप्तता ढांचे का कार्यान्वयन.* अप्रैल.

——. 2007 *भारत में बाज़ार व्युत्पन्नियों को लागू करने के बारे में गठित कार्यदल की रिपोर्ट.* मई 16. http://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/publication Report/Pdfs/35293.pdf पर उपलब्ध.

रेड्डी, वाइ.वी. 2006. ''एशिया के लिए बासेल-II की चुनौतियां और निहितार्थ.'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन,* 637-640, जून.

——. 2007 ''भारतीय अर्थव्यवस्था और इसके वित्तीय क्षेत्र की झाँकी'' *भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन,* अगस्त.

सेडनबर्ग, एम. तथा पी स्ट्राहन. 1999. ''आर बैंक्स इम्पॉर्टेंट फॉर फिनान्सिंग लार्ज बिज़नेसेज?'' *करेंट इश्यूज इन इकॉनॉमिक्स एंड फाइनैंस* 5 (12).

संगनी, एस. 2005. *लेवरेजिंग बासेल-II ''कम्प्लाइन्स टू बिल्ड ए प्लैटफार्म फॉर एन्टरप्राइज रिस्क.* जून 15. http://www.oracle.com/industries/campaigns/finsrv/oracle_leveragingbaseliicompliance_whitepaper.pdf पर उपलब्ध.

सर्मा, एम.तथा वाइ निकेडो. 2007. ''कैपिटल ऐडेक्वेसी रेजिम इन इंडिया: ऐन ओवरव्यू.'' आइसीआरआइइआर वर्किंग पेपर 196. जुलाई.

साइ, ए.2005. ''मैनेजिंग दि इंटरेस्ट रेट रिस्क ऑफ इंडियन बैंक्स गवर्नमेंट सेक्युरिटीज होल्डिंग्ज.'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर,* डब्ल्यूपी/05/78, अप्रैल.

ठाकोर, ए. 1996. ''कैपिटल रिक्वायरमेंट्स, मॉनिटरी पॉलिसी एंड एग्रीगेट बैंक लेंडिंग : थिअरी एंड एविडेन्स.'' *जर्नल ऑफ फाइनैंस,* 51: 279-324.

वेलिंक, एन. 2007. 'रिस्क कैपिटल 2007' *सम्मेलन , पेरिस में बासेल-II एंड फिनान्शियल इन्स्टिटयूशन रेजिलिएन्सी,* जून.

व्हाइट, डब्ल्यू. 2000. ''व्हॉट हॅव वी लर्न्ड फ्रॉम रिसेन्ट फिनान्शियल क्राइसिस एंड पॉलिसी रिस्पॉन्सेज?'' *बीआइएस वर्किंग पेपर* सं.84, जनवरी.

वुड्स, एम., पी. कजुटेर तथा पी. लिन्सले (सं.).2007. *इंटरनेशनल रिस्क मैनेजमेंट : सिस्टम्स, इंटर्नल कंट्रोल एंड कारपोरेट गवर्नेन्स.* एल्सवियर.

वॉल,एल.1989. ''कैपिटल रिक्वायरमेंट्स फॉर बैंक्स : ए लुक ऐट दि 1981 एंड 1988 स्टैंडर्ड्स'' *फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ अटलांटा इकॉनॉमिक रिव्यू,* 74 मार्च/अप्रैल : 14-29.

बाल्थजार, एल. 2006. *बासेल 1 से बासेल 3: दि इंटिग्रेशन ऑफ स्टेट-ऑफ-दि-आर्ट रिक्स मॉडेलिंग इन बैंकिंग रेग्युलेशन.* पालग्रेव मैकमिलन.

कैपस्टेइन, ई.2006. ''आर्किटेक्ट्स ऑफ स्टेबिलिटी? इंटरनेशनल कोऑपरेशन अमंग फिनान्शियल सुपरवाइजर्स.'' *बीआइएस वर्किंग पेपर* 199.

बैंकर्स. एस.सी.डब्ल्यू.ईजफिंगर, के. कोएडिज्क तथा एस. येवो (सं.), *सेन्टर फॉर इकॉनॉमिक पॉलिसी रिसर्च।* यूरोपियन समर इन्स्टिट्यूट, लंदन.

वोल्कर, पॉल. 2008 ''दि सुप्रीम क्राइसिस एंड इट्स इंटरनेशनल कॉनसिक्वेन्सेज : व्हाट हैपेन्ड एंड हाउ टू अवॉइड ए सिमिलर क्राइसिस'' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया प्रमुख भाषण. ब्रूकिंग्ज, इन्स्टिट्यूट मोंटग्ने एंड इन्स्टिट्यूट डि एलट एन्टरप्राइज, अप्रैल.

इंटरनेशलन एसोसिएशन ऑफ डिपॉजिट इन्शूअरर्स (आइएडीआइ) की वेबसाइट, जमा बीमा प्रणाली वाले देशों की सूची, www.iadi.org.

व्हालेन, गेरी. 2000. ''इंटर-स्टेट बैंकिंग, ब्रांचिंग, ऑर्गनाइजेशन एंड मार्केट राइवल्री.'' *इकॉनॉमिक एंड पालिसी अनालिसिस,* वर्किंग पेपर 7, जुलाई.